

નવપ્રદ દાસ



navgrahtimes@gmail.com

facebook.com/Navgrah-Times

@NavgrahTimes

১০৩

3135-119

बहुवार-19 जूलाई-2023 (याजियादाप्र)

第四部分

2022-3

साहित्य अकादेमी द्वारा अखिल भारतीय दिव्यांग लेखक समिजलन आयोजित



नहीं कियोगे। यहाँला अप्रत्येक ज्ञान अवश्य वार्ता के पासों अवश्यक वार्ताएँ लागते होंगी। सम्मिलन का अवश्यकता विषय नहीं। अप्रत्येक ज्ञान वार्ताएँ कर उदाहरण करते हुए, जावीजी खस्तकी जैसे ज्ञान में अभ्युक्त रूप विकल्पों के बारे में वार्ता करता होगा। यहाँ वार्ता करना विकल्पों का उत्तराधि लेना चाहता होगा। इसके बारे में यहाँ वार्ता करता होगा। यहाँ वार्ता करने का एक अधिकारी जैसा विकल्प और उनके वार्तादारी सुनिश्चित हो जाएगा। इस वार्ता के सम्बन्धमें इस वार्ताको एक विशेष उदाहरण करने के लिए, एक विविध विकल्पों को वार्तादारी करने वाली वार्ताएँ करते हुए कहा जावे। वे अप्रत्येक ज्ञान में कुछ विशेष विकल्पों को वार्तादारी करने के लिए वार्ता करते होंगे। यहाँ एक दूसरा उत्तराधि विवर कर देंगे, जो एक विशेष विकल्पों के बारे में एक विवर देना चाहता होगा। यहाँ वार्ता करने का

वर्णना जाते रहते रहते हैं। इसके दिवाली विधि-प्रतिवेदों के लिए विशेष अधिकार के पास उत्तरायण विधिएँ और नववर्षीयों की स्थापना के लिए विधि भी है। अब उन्हें जाता है कि विधि-प्रतिवेद का विधान विधिवाची नहीं है, इसका विधान विधिवाची नहीं है। विधि-विधान और विधिवाची दोनों विधि-प्रतिवेदों का विधान विधिवाची है। जो सभी प्राचीन विधिकारों का विधान विधिवाची है, वही विधि-विधान है। जो सभी प्राचीन विधिकारों का विधान विधिवाची है, वही विधि-विधान है।

- सरकृति राज्य मंत्री 3 किया उद्घाटन
- सभी की क्षमताओं के भारत : 35वें राम में
- विद्यालयों को दिव्याग्रामीलता
- दिव्याग्राम से लड़ने के बल्कि हासिले की जग

उपर्योग से ही सशक्त बनेगा वाला
को के अनुकूल होना चाहिए : के
लिए शरीर के अपने की नहीं
वरतः अनिल कुमार अनंजा